अमर उजाला झांसी

≫ कृषि विश्वविद्यालय बोर्ड की पहली बैठक में लिए फैसले

स्टाफ की होगी भर्ती, शुरू होगा भवन निर्माण

- प्रारंभ होगी अखिल भारतीय दलहन परियोजना
- उन्नत किस्म के बीज की उपलब्धता होगी सुनिश्चित

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। सोमवार को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के नवगठित बोर्ड की पहली बैठक हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में हुई बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरविंद कुमार ने की। शुरुआत में उन्होंने बोर्ड के सदस्यों का आपस में परिचय कराया तथा उन्हें उनके अधिकार व कर्तव्यों की जानकारी दी। तदुपरांत, विश्वविद्यालय भवन व महाविद्यालयों के निर्माण पर चर्चा हुई। बैठक में इसका प्रस्तुतिकरण भी किया गया। कुलपति ने बताया कि वर्तमान में ग्रासलैंड फार्म में स्थित भवन को विश्वविद्यालय भवन के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। यहीं से सभी विश्वविद्यालयीय गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं शोध कार्य के लिए टीचिंग एसोसिएट, कंसलटेंट, फैकल्टी व अन्य शिक्षण वर्ग की तैनाती का प्रस्ताव लाया गया, जिसका सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। इसके अलावा बोर्ड ने विश्वविद्यालय के प्रतीक चिह्न को स्वीकृति प्रदान की।

साथ ही बोर्ड ने अखिल भारतीय दलहन परियोजना के कार्यान्वयन को अनुमति प्रदान करते हुए इसे इसी साल से प्रारंभ करने का निर्णय लिया, ताकि बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को अपेक्षित लाभ मिल सके तथा उन्नत किस्म के बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

बैठक में बोर्ड के सदस्य डॉ. एनएस राठौड़, डॉ. एमसी मोदगल, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. बीवी पाटिल, डॉ. मृदुला बिल्लौर, एन कुमार, महेंद्र प्रताप सिंह यादव, गोपाल दास पालीवाल व प्रमोद कुमारी राजपूत मौजूद रहीं।

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय को लेकर बैठक करते पदाधिकारी।

फाइनेंस कमेटी गठित

झांसी। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय बोर्ड की बैठक में फाइनेंस कमेटी का गठन किया गया, जिसमें राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. एके सिंह, भारतीय अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (शिक्षा) एनएस राठौड़ व केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. प्रेमजीत सिंह को नामित किया गया। विश्वविद्यालय के वित्त संबंधी फैसले उक्त कमेटी द्वारा लिए जाएंगे।

झाँसी, 18 अगस्त 2015
झाँसी जागरण
दैनिक जागरण
www.jagran.com

झाँसी : प्रबन्ध परिषद की बैठक में उपस्थित सदस्य।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की प्रबन्ध परिषद ने लिए कई निर्णय

- शैक्षणिक गतिविधियों को प्रस्तुत अध्यादेश स्वीकृत
- वित्त समिति गठित, नए भवन व महाविद्यालयों की स्थापना पर चर्चा

झाँसी : रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की प्रबन्ध परिषद की पहली बैठक में विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाले भवन, महाविद्यालयों के बारे में चर्चा की गयी। साथ ही शैक्षणिक कार्यक्रमों व आधारभूत ढाँचा विकसित करने के लिए ऑरडिनेंस पास किए गए। प्रबन्ध परिषद ने नए कार्यों के लिए रखे गए बजट को वित्त समिति को भेज दिया।

कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में हुई पहली प्रबन्ध परिषद की बैठक में सदस्यों के आपसी परिचय के बाद उनके दायित्व व अधिकारों के बारे में बताया गया। ग्रासलैण्ड फार्म स्थित भवन को विश्वविद्यालय भवन के रूप में परिवर्तित करने के बाद अब गतिविधियों के संचालन पर चर्चा की गयी। कुलपति ने शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए बनाए गए सात अध्यादेशों को प्रबन्ध परिषद में रखा, जिसे स्वीकार कर लिया गया। बैठक में विश्वविद्यालय में शिक्षण व शोध कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए टीचिंग असोसिएट, कंसल्टेण्ट, फैकल्टि के अन्य शिक्षण वर्ग का भी अनुमोदन किया। प्रबन्ध परिषद ने अखिल भारतीय दलहन परियोजना के कार्यान्वयन को भी अनुमति प्रदान की। यह परियोजना इसी वर्ष प्रारम्भ करने को कहा गया, जिससे बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को अपेक्षित लाभ मिल सके और उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध हो सके। प्रबन्ध परिषद ने आधारभूत ढाँचा व शैक्षणिक कार्यों के लिए वित्तीय प्राविधान, निर्माण कार्यों बनाए गए बजट को प्रस्तुत किया गया, जिससे निर्माण कार्य जल्द प्रारम्भ हो सके। परिषद ने बजट को वित्त समिति को भेज दिया। इसके पहले प्रबन्ध परिषद ने वित्त समिति के लिए राजमाता सिन्धिया कृषि विवि ग्वालियर के कुलपति डॉ. एके सिंह, उप महानिदेशक (शिक्षा) भारतीय कृषि अनुसन्धान नई दिल्ली डॉ. एनएस राठौड़, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के कुलपति डॉ. प्रेमजीत सिंह को नामित किया। बैठक में प्रबन्ध समिति के सदस्य डॉ. एमसी मोदगल, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. बीवी पाटिल, डॉ. मृदुला बिल्लौर, एन. कुमार, महेन्द्र प्रताप सिंह यादव, गोपाल दास पालीवाल व प्रमोद कुमारी राजपूत उपस्थित रहे। इधर, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की वेबसाइट भी कार्य करने लगी है। छात्र व अभिभावक वेबसाइट rlbcau.ac.in पर केन्द्रीय विवि की गतिविधियों की जानकारी ले सकते हैं।